भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023

- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 का अध्ययन करते समय भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 का Bare Act की सहायता ले।
- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता आगामी न्यायिक सेवा परीक्षाओ को ध्यान मे रखकर बनाया गया है।
- यह नोट्स प्रारम्भिक परीक्षा को ध्यान में रखकर बनाए गए है जो आपके लिए न्यायिक सेवा परीक्षा की तैयारियो में महत्वपूर्ण साबित होंगे।
- इन नोट्स को बनाने मे अत्यंत सावधानी रखी गयी है किंतु यदि इनमे किसी भी प्रकार की त्रुटि पायी जाती है तो भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 के Bare Act को उचित माना जाएगा।
- यह नोट्स आपको प्रारम्भिक परीक्षा मे उचित अंक दिलाने मे महत्वपूर्ण साबित होंगे।
- हम आपके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते है।

TARGET FOR IQ.

Scanned with OKEN Scanner

भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023

- कुल धारा :- 531
- कुल अध्याय :- 39
- कुल अनुसूची :- 2 < प्रथम अनुसूची :- अपराधो का वर्गीकरण
  द्वितीय अनुसूची :- धारा 522 देखिए
- अधिनियम संख्या :- 46th of 2023
- राष्ट्रपति की सहमति :- 25 Dec 2023 < लोकसभा मे प्रस्तुत :- 20 Dec 23.
  राज्यसभा मे प्रस्तुत :- 21 Dec 2023
- लागू : 1 July 2024

Note: भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023, दंड प्रक्रिया संहिता 1973 को निरसित करेगा।

TARGET FOR IO

- उद्देश्य :- दंड प्रक्रिया संबंधी विधि का < समेकन, संशोधन } करना

अध्याय :1 प्रारम्भिक

- धारा 1 :- संक्षिप्त नाम :- भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023
  विस्तार :- सम्पूर्ण भारत पर
  ↳ परंतु इस संहिता के अध्याय 9, 11, 12 से सम्बंधित उपबंधो से भिन्न उपबंध < नागालैण्ड राज्य
  जनजाति क्षेत्रो को
  ↓
  लागू नही होंगे
  ↓
  किंतु राज्यसरकार आधिसूचना द्वारा इन क्षेत्रो पर लागू करना चाहे तो कर सकती है।

TARGET FOR IO

- स्पष्टीकरण : जनजाति क्षेत्र वे क्षेत्र है जो 1972 की जनवरी के 21वे

दिन के ठीक पहले, संविधान की छठी अनुसूची के पैरा 20 में जो असम के जनजाति क्षेत्रों में सम्मिलित थे और शिलांग नगर पालिका की स्थानीय सीमाओं के भीतर के क्षेत्रों से भिन्न हैं।

- प्रवर्तन :- जिसे भारत सरकार राजपत्र में अधिसूचना द्वारा नियत करे।

▷ **धारा 2: परिभाषाएँ**   TARGET FOR IQ

Note: 5 नयी परिभाषाओं को जोड़ा गया है तथा 4 परिभाषाओं को निरसित कर दिया गया है।

2(A): " श्रव्य-दृश्य इलेक्ट्रॉनिक साधन :- के अंतर्गत शामिल हैं।
↳ (New Add)

- सम्प्रेषण के लिए प्रयोग
  - वीडियो कॉन्फ्रेंस
  - पहचान की आदेशिका का अभिलेखन करना
  - तलाशी, अभिग्रहण, साक्ष्य
  - इलेक्ट्रॉनिक संसूचना का पारेषण
- अन्य साधन / प्रयोजन के लिए
  - किसी संसूचना युक्ति का प्रयोग
  - अन्य प्रयोग
  - राज्य सरकार नियमों द्वारा उपबंधित करे।

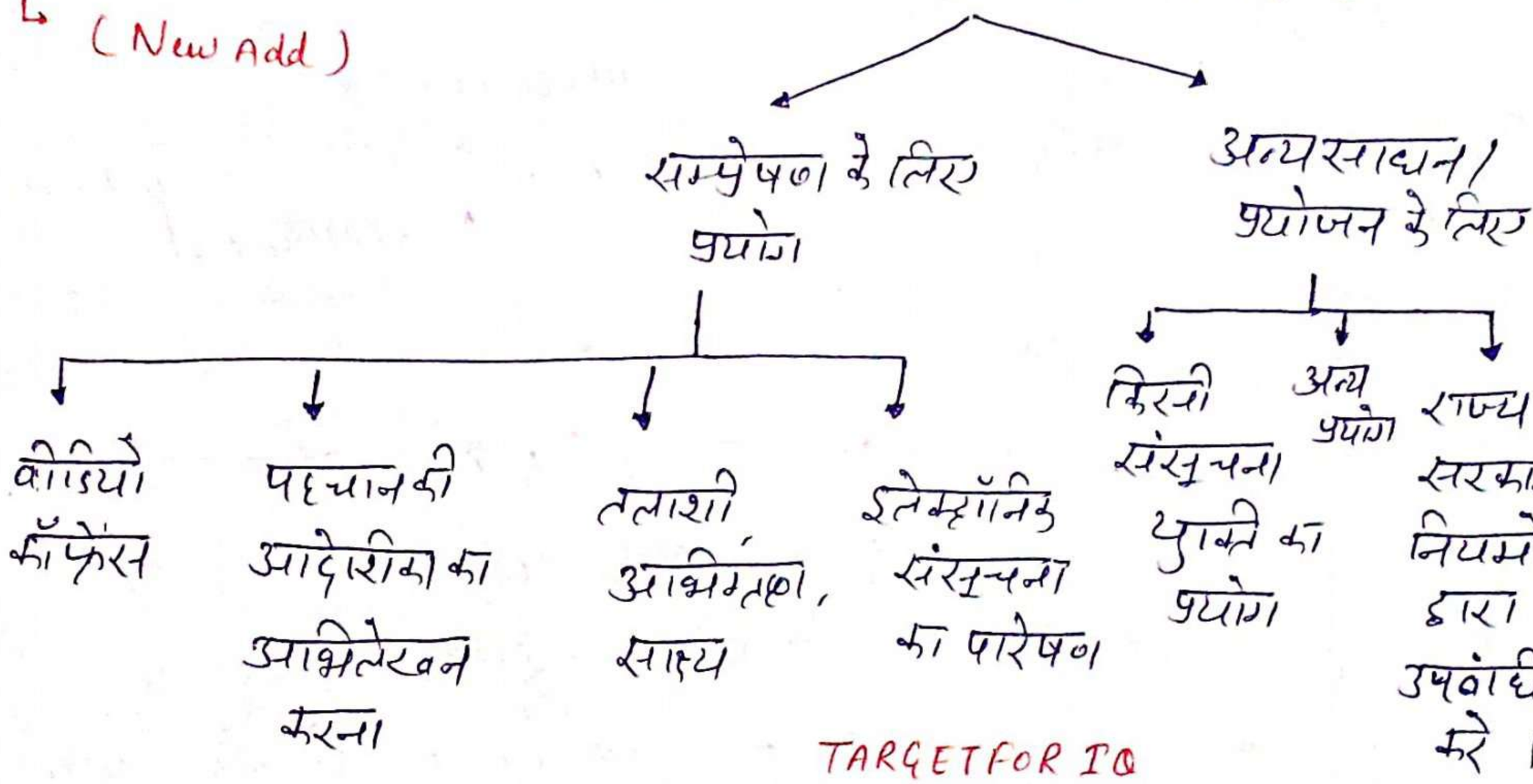

TARGET FOR IQ

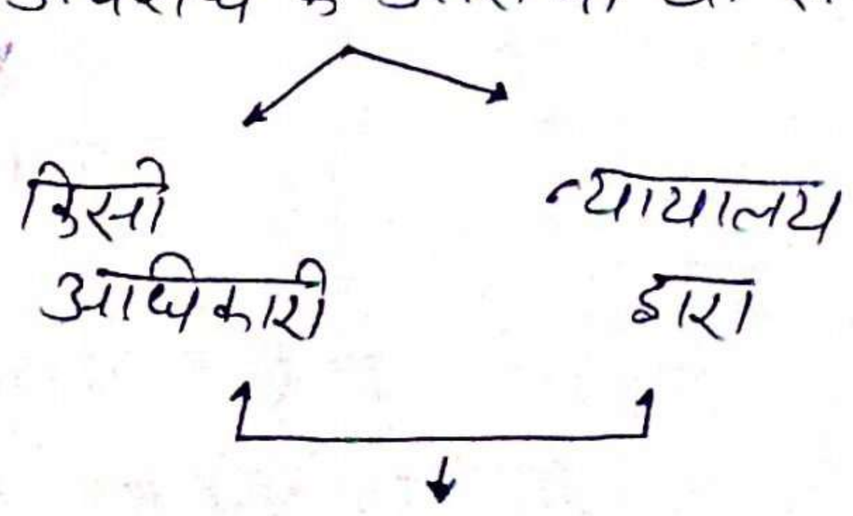

2(B):- जमानत :- किसी भी व्यक्ति को छोड़ना (New Add)
↳ किसी अपराध के आरोपी या संदिग्ध व्यक्ति को

- किसी अधिकारी
- न्यायालय द्वारा

↓

बॉण्ड या जमानत के बॉण्ड के निष्पादन पर लगायी गयी कुछ शर्तों पर कानून की हिरासत से रिहा करना

2(C):- 'जमानतीय अपराध':- ऐसा अपराध
↳ CRPC 1973:- 2(A)

- प्रथम अनुसूची मे जमानतीय के रूप मे दिखाया गया है।
- अन्य विधी मे जमानतीय बनाया गया है।
- अजमानतीय अपराध से जो भिन्न है।

2(D): जमानत बॉन्ड:- जमानत के साथ + रिहाई का वचन देना।
↳ (New Add)

2(E):- बॉन्ड:- शामिल है
↳ (New Add)

- एक व्यक्तिगत बॉन्ड
- बिना जमानत के रिहाई का वचन

2(F):- 'आरोप':- के अंतर्गत
↳ CRPC: 2(B)

TARGET FOR IQ

- आरोप मे एक से अधिक शीर्ष हो
- आरोप का कोई भी शीर्ष हो

2(g):- संज्ञेय अपराध:- ऐसा अपराध जिसमे पुलिस अधिकारी
↳ CRPC: 2(C)

- प्रथम अनुसूची के
- किसी अन्य विधि के अनुसार

↓

वारण्ट के बिना गिरफ्तार कर सकता है।

TARGET FOR IQ

2(H) परिवाद:- मजिस्ट्रेट द्वारा कार्यवाही किए जाने की दृष्टि से किया गया अभिकथन
↳ CRPC: 2(D)

- मौखिक
- लिखित → किसी व्यक्ति ने ज्ञात व अज्ञात ने अपराध किया है